संपादक के नोट

प्यारे दोस्तों मेरे प्रभु और मुक्तिदाता येशु मसीह के नाम से अभिवादन।
प्रभु एक विश्वासयोग्य व्यक्ति से प्यार करता है। वह जिसने तुमको बुलाया है विश्वासयोग्य है। १ कुरिन्थियों १रू९ – परमेश्वर विश्वासयोग्य है, जिसके द्वारा तुम उसके पुत्र हमारे प्रभु येशु मसीह की संगति में बुलाए गए हो। येशु ने भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने पृथ्वी पर एक विश्वासयोग्य और सच्चा जीवन जिया है। इसलिए वह हमसे भी उम्मीद करता है कि हम एक सच्चा जीवन व्यतीत करें। नीतिवचन २८रू२० – विश्वासयोग्य मनुष्य आशिषों की बहुतायत पाएगा, परन्तु जो शीघ्र ही धनी बनना चाहता है, वह दण्ड पाए बिना न रहेगा। अगर हम प्रभु से माँगते हैं कि वह हमें हर रोज उसके लिए विश्वासयोग्य बनाए, तो वह हमें ऐसा करने के लिए मदद करेगा और हमें आशीष भी देगा।
सच्चाई से उसे खोजों, सच्चाई से उसकी आराधना करों, और सच्चाई से उसे प्यार करों और वह जो मार्ग बताता है उसमें विश्वास से चलो। जब हम हर रोज ध्यान से और सच्चाई से परमेश्वर के मार्ग में चलते हैं, परमेश्वर हमें आशीष देगा। इब्रानियों १०रू२३ – आओ, हम अपनी आशा के अंगीकार को अचल होकर दृढ़ता से थामे रहें, क्योंकि जिसने प्रतिज्ञा की है, वह विश्वासयोग्य है।
तुम्हारे जीवन में दूसरें तुमको नीचे करने की कोशिश कर सकते हैं। हमारा दुश्मन शैतान, तुम्हें दुःख और दर्द देने के लिए तुम्हारे जीवन में कई कमियों को ला सकता हैं और तुम्हें नीचे करने के लिए। लेकिन परमेश्वर जो हमारे जीवन में सब से ऊँचा शासक है, तुम्हें उठाएगा और मजबूत करेगा, तो थोड़ा भी दुखी नहीं होना। रोमियों १६रू२० – शान्ति का परमेश्वर शीघ्र शैतान को तुम्हारे पैरों तले कुचलवा देगा। हमारे प्रभु येशु मसीह का अनुग्रह तुम्हारे साथ हो। बुराई करने वाले काटें जाएँगे, लेकिन जो प्रभु कि बाट जोते हैं, वे पृथ्वी के वारिस होंगे। हे परमेश्वर, तू हमारा राजा है, हमारे हित में विजय की आज्ञा दे। तेरे ही सहारे से हम अपने शत्रुओं को पीछे खदेड़ देंगे, तेरे नाम से हम अपने विरोध में उठने वालों को कुचल डालेंगे।
हमारा परमेश्वर, खुली बाहों से हमें बुलाता है, और मत्ति ११रू२८ में वह कहता हैं – हे सब थके और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। आशीष पाने के लिए हमें उसके खुली बाहों में जाना हैं। भजन संहिता ९१रू१–४ – जो परमप्रधान की शरण में वास करता है, वह

सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पाएगा। मैं यहोवा के विषय कहूँगा, ष्वह मेरा शरणस्थान और मेरा दृढ़ गढ़ है, वह मेरा परमेश्वर है जिस पर मैं भरोसा रखता हूँ।ष क्योंकि वही तुझे बहेलिए के जाल से और महामारी से बचाता है। वह अपने पंखो से तूझे ढांप लेगा, और उसके पैरों तले तू शरण लेगा, उसकी सच्चाई ढाल और झिलम है। हमारे दैनिक जीवन में अचानक जब हमें समस्याए होती है, हम हमारी शांति खो देते हैं और परेशान रहते हैं; इस स्थिति में केवल हमारा परमेश्वर हमें बचा सकता है।

उसके सबसे अधिक संकट के समय में, दाऊद ने परमेश्वर की ओर देखा जहाँ से उसे मदद मिलती है। भजन संहिता १२१रू१ – मैं अपनी आंखें पर्वतों की ओर उठाऊंगा; मुझे सहायता कहां से मिलेगी? उसने परमेश्वर को देखा और मजबूत बनाया गया और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई। उसके बाद उसकी स्थिति उत्तेजक रूप से बदल गई और उसने आशीषें प्राप्त की।

१ शमूएल ३०रू१६–१९ – जब उसने उसको दल तक पहुँचा दिया तो देखो, वे पूरे मैदान में फैले पड़े थे, और उस बड़ी लूट के कारण जो वे पलिश्तियों के देश तथा यहूदा के देश से लाए थे खाते–पीते नाच–गा रहे थे। तब दाऊद गोधूलि से लेकर दूसरे दिन की सन्ध्या तक उन्हें ऐसा मारता रहा कि चार सौ जवानों के अतिरिक्त जो ऊँटों पर चढ़कर भाग गए कोई बच नहीं पाया। अतः दाऊद वह सब कुछ छुड़ा लाया जो अमालेकी लूट ले गए थे। दाऊद ने अपनी दोनों पतनियो को भी छुड़ा लिया। जो कुछ वे अपने लिए ले गए थे उनमें से उनका कुछ न खोया वरन्‌ उनकी हर एक छोटी–बड़ी वस्तु, पुत्र–पुत्रियां, लूट की वस्तुएं आदि सब का सब दाऊद लौटा ले आया। वही परमेश्वर तुम्हारी समस्याओं को जानता है, वह तुम्हारे लिए एकमात्र रास्ता है, तो उस से लिपटे रहों और उसमें दृढ़ रहना और साहसपूर्वक रहना। नीतिवचन २८रू१ – दुष्ट तब भी भागते हैं जब कि कोई उनका पीछा न करता हो, पर धर्मी तो सिंह के समान निडर रहते हैं। इस वचन के अनुसार वह तुम्हें साहस देगा, इसलिए तुम्हारे रास्तों को प्रभु को सौंप दो। १ यूहन्ना ५रू५ – और वह कौन है जो संसार पर विजयी होता है, सिवाय उसके जो यह विश्वास करता है कि येशु ही परमेश्वर का पुत्र है?

इस दुनिया में, किसी भी आदमी पर भरोसा करना बेकार है। यशायाह २रू२२ – अतः मनुष्य से जिसका श्वास उसके नथनों में है, दूर ही रहो क्योंकि उसका मूल्य है ही क्या? हमारा परमेश्वर हमारा शरणस्थान और बल है, संकट के समय तत्पर सहायक, वह पीड़ितों के लिए एक शरणस्थान होगा, संकट के समय एक शरणस्थान। वह तुम्हें महान शांति देगा। यशायाह २६रू३ – जिसका मन तुझ में लगा है, उसकी शान्ति तेरे द्वारा पूरी बनी रहेगी,

क्योंकि उसका भरोसा तुझ पर है। इसलिए मेरे प्यारों, प्रभु पर विश्वास रखों और वह तुम्हें उठाएगा और तुम्हें परिपूर्ण शांति में रखेगा।
परमेश्वर तुम सब को आशीष दें।

पास्टर सरोजा म.

हमारे कामों के अनुसार वह इनाम देता है ।

इब्रानियों ११रू४ – विश्वास ही से हाबिल ने परमेश्वार के लिए कैन से उत्तम बलिदान चढ़ाया, जिसके द्वारा उसके धर्मी होने की गवाही दी गई और परमेश्वर ने उसकी भेंटों के विषय में गवाही दी। यद्यापि हाबिल मर चुका है, फिर भी विश्वास के द्वारा अब तक बोलता है। इस भाग में हम देखते हैं कि परमेश्वर ने हाबिल के भेंट को कैन के भेंट से अधिक स्वीकार कर लिया। हाबिल और कैन आदम के बेटे हैं। दुनिया की शुरुआत में, केवल दो व्यवसाय थे ...अर्थात चराना और खेती। हाबिल एक चरवाहा था और जो कुछ वह करता उस में वह धर्मी था। उसमें प्रभु का डर था और प्रभुकी इच्छा के अनुसार चलता था। हाबिल जानता था कि हमारा परमेश्वर एक बलि का मेमना है, और इसलिए वह प्रभु के लिए उसकी मेमने की भेंट को ले आया। हम ऊपर के भाग में देखते हैं कि हाबिल का भेंट कैन के भेंट से अधिक उत्कृष्ट था और परमेश्वर ने हाबिल के उपहार की गवाही दी। यूहन्ना १रू२९ – दूसरे दिन उसने येशु को अपनी ओर आते देख कर कहा, ष्देखो, परमेश्वर का मेमना जो जगत का पाप उठा ले जाता है। यूहन्ना ने पहले ही से येशु मसीह के बारे में भविष्यवाणी की थी – कि वह बलि का मेमना है। यह येशु मसीह का बलिदान है जिसने हमारे पापों को ले लिया है और उसके खून की हर बूंद के द्वारा हमें धोया है।

प्रकाशितवाक्य १३रू८ –पृथ्वी के सब निवासी उसकी पूजा करेंगे, अर्थात प्रत्येक व्यक्ति जिसका नाम उस मेमने के जीवन की पुस्तक में जो जगत की उत्पत्ति के समय से घात किया गया है नहीं लिखा गया है। हाँ, हाबिल को दुनिया की शुरुआत से यह पता था कि हमारा परमेश्वर एक बलि का मेमना था और हमारे लिए उसका जीवन देगा। इसलिए, वह परमेश्वर के लिए बलिदान के रूप में अपने मेमने को लाया और परमेश्वर इस उपहार का गवाही देता है। लैव्यव्यवस्था १७रू१४ – क्योंकि शरीर का प्राण तो लहू में है। इसलिए मैंने इस्राएलियों से कहा हैः तुम किसी प्रकार के प्राणी का लहू न खाना, क्योंकि सब प्राणियों का प्राण उनका लहू ही है। हमें पता है कि लहू में जीवन है। भाइयों कैन और हाबिल परमेश्वर के लिए भेंट लाए, लेकिन हाबिल का भेंट में प्रभु के लिए खून का बलिदान था। जब परमेश्वर ने हाबिल के उपहार भेंट की गवाही दी, कैन में ईर्ष्या आ गई, वह अपने भाई हाबिल को मारने कि ताक में रहा। रोमियों १२रू१ – अतः हे भाइयो, मैं परमेश्वर की दया का स्मरण दिलाकर तुमसे आग्रह करता हूँ कि तुम अपने

शरीरों को जीवित, पवित्र और ग्रहणयोग्य बलिदान कर के परमेश्वर को समर्पित कर दो। यही तुम्हारी आत्मिक आराधना है। हमें हमारे शरीरों को यहोवा के लिये बलिदान के रूप में पेश करना हैं, पवित्र और ग्रहणयोग्य हमारी सेवा केवल परमेश्वर के लिए। यह बुद्धिमानी का और शुद्ध भेंट हम हमारे प्रभु को दे सकते हैं। ३वचन३, जीवित है यह शुद्ध और सत्य है। परमेश्वर का वचन कभी अपवित्र और दूषित नहीं है। इस प्रकार, हमारे काम उसकी दृष्टि में हमेशा धर्मी और मनभावन होना चाहिए, उसके बाद ही प्रभु हमारे साथ बोलता है, उदाहरण के लिए, कैन और हाबिल दोनों ने भेंट लाए, लेकिन हाबिल का भेंट शुद्ध था। अंत में हाबिल खुद प्रभु के लिए एक रक्त बलिदान बन गया, (जब उसके भाई ने कैन ईर्ष्या के कारण उसे मार डाला)। इब्रानियों १२रू२४ — तथा नई वाचा के मध्यस्त येशु के और छिड़काव के उस लहू के पास आए हो, जो हाबिल के लहू की अपेक्षा उत्तम बातें कहता है। क्या हम हाबिल की तरह हैं — क्या हम जानते हैं कि येशु बलि का मेमना था? क्या हम जानते हैं कि येशु ने तुम्हारे और मेरे लिए कलवारी के क्रूस पर उसके जीवन का बलिदान दिया? क्या हम जानते हैं कि परमेश्वर हमसे प्यार करता है? हम दानिय्येल को देखते है, — हमारे प्रभु ने शेरों के मुंह को बंद कर दिया। परमेश्वर एक पल में, शेर को चीरकर अलग कर सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। उसने केवल शेर के मुंह को बंद कर दिया। जब की उस ही समय, दुश्मन को उसी मांद में फेंका गया, प्रभु ने शेरों के मुंह को खोले और शेरों ने दुश्मन को चीरकर टुकड़े कर दिए। एक और उदाहरण में हमने देखा है, कि कैसे शद्रक, मेशक और अबेदनगो को भट्ठी में जो सात गुणा सामान्य से अधिक गरम किया गया था, डालें गए और कैसे प्रभु ने आग की भट्ठी से उन्हें बचाया। यहां तक कि उनके सिर पर एक बाल भी बिगड़ा नहीं, क्योंकि परमेश्वर ने अपने बच्चों को बचाने के लिए भट्ठी में एक दूत भेजा।

पवित्र शास्त्र में हम दूसरे व्यक्ति हनोक को देखते हैं जिस से प्रभु प्यार करता था। उत्पत्ति ५रू२४ में हम देखते हैं — हनोक तो परमेश्वर के साथ–साथ चलता था; फिर वह लोप हो गया, क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया। परमेश्वर हनोक से इतना प्यार करता था, कि उसने उसे जिंदा उठाया और हनोक मरा नहीं। भजन संहिता ६८रू२० — परमेश्वर, हमारे लिए छुटकारा देने वाला परमेश्वर है; मृत्यु से बचने की राहें भी प्रभु यहोवा की हैं। हम मौत से बच सकते हैं, जब हम विश्वास में परमेश्वर के साथ चलते है। उदाहरण के लिए, हम एक भाई के जीवन में देखते हैं जो गले के कैंसर से पीढ़ित था। वह कैसे बेचैन था — खाने या पीने या कुछ भी निगल नहीं

सकता था। वह बात भी नहीं कर सकता था। लेकिन हमारे दयालु परमेश्वर ने एक बार फिर बड़े प्यार से उसे उठा लिया और उसे चंगा कर दिया है। जब वह जांच के लिए गया, डॉक्टर ने उसे एक चंगाई का प्रमाणपत्र दे दिया। यह एक चमत्कार है जो परमेश्वर ने इस भाई के जीवन में प्रदर्शन किया। जब हम परमेश्वर के प्रति समर्पण होते हैं, हमारे पापों को स्वीकार करते हुए, वह एक न्यायी और दयालु परमेश्वर है, जो उन लोगों को माफ़ करने के लिए तैयार है, जो एक ‟सच्चा और पछतावा के दिल‟ के साथ उसके पास आते हैं। नीतिवचन ११रू४ – प्रकोप के दिन धन–सम्पत्ति काम नहीं आती, परन्तु धार्मिकता मृत्यु से बचाती है। हमारा कोई धन, मृत्यु से हमें बचा नहीं सकता है, लेकिन केवल परमेश्वर का अनुग्रह कर सकता है। हनोक की तरह, हमें हमेशा परमेश्वर के साथ सीधा चलना चाहिए। जब परमेश्वर का प्रकोप हम पर है, हमारा कोई धन हमें बचा नहीं सकता है। लेकिन हमारी धार्मिकता हमें परमेश्वर के प्रकोप से बचा सकता है। अब तक हमने देखा है, हाबिल का बलिदान प्रभु को स्वीकार्य था और हनोक एक सच्चे मन से परमेश्वर के साथ चला, इसलिए हनोक मृत्यु से बच गया और जीवित ऊपर उठा लिया गया उसके पास। हम हमेशा परमेश्वर के साथ एकात्मकता और एकता में रहना चाहिए, हमें परमेश्वर की आत्मा को हमारा नेतृत्व और मार्गदर्शन करने के लिए देना चाहिए। हम तीसरे व्यक्ति को पवित्र शास्त्र में देखते है वह नूह है। वह आदम से दसवीं पीढ़ी का था, लेमेक का बेटा, मतूशेलह का पोता। हम उसके जन्म से ५०० वर्ष तक नूह के बारे में कोई उल्लेख नहीं देखते हैं। उसके तीन बेटे और तीन बहूएँ थी। लेकिन एक बार जब परमेश्वर ने उसकी इच्छा पूरी करने के लिए उसे चुना, हम पवित्र शास्त्र में नूह के उल्लेख को देखते हैं। उत्पत्ति ६रू४–५ – उन दिनों में पृथ्वी पर नफिली रहा करते थे और बाद में उस समय भी थे जब परमेश्वर के पुत्रों ने मनुष्य कि पुत्रियों के पास जाकर उनसे सन्तान उतपन्न की। ये प्राचीन काल के शूरवीर और सुप्रसिद्ध मनुष्य थे। तब यहोवा ने देखा कि पृथ्वी पर मनुष्य की दुष्टता बहुत बढ़ गई है, और उसके मन का प्रत्येक विचार निरन्तर बुरा ही होता है।

१) नूह को आत्मा में चेतावनी मिला।
२) परमेश्वर के लिए नूह के विश्वास और प्रेम की वृद्धि हुई।
३) उसने अपने परिवार को बचाने के बारे में सोचा।
४) उसने नाव बनाना शुरू कर दिया।
५) उसके विश्वास ने उसे धर्मी बना दिया।

२ पतरस २रू५ – तथा उस प्राचीन जगत को भी न छोड़ा, परन्तु भक्तिहीनों के संसार पर जल–प्रलय भेजा, फिर भी धार्मिकता के प्रचारक नूह को अन्य सात व्यक्तियों सहित बचा लिया। येशु ने भी उन दिनों में नूह को याद किया और मत्ति २४रू३७ में कहा – मनुष्य के पुत्र का आना ठीक नूह के दिनों के समान होगा। हाँ, भविष्य के दिन भी नूह के समय के दिनों की तरह हैं। हम परमेश्वर की चेतावनी पर ध्यान दे और बच जाए। अगर हम परमेश्वर की चेतावनी पर ध्यान नहीं करते हैं, हम पृथ्वी के चेहरे से नष्ट हो जाएँगे। आज भी, परमेश्वर उसकी दूसरे आगमन के लिए हमें तैयारी कर रहा है। किसी को भी पता नहीं होगा, वह आधी रात में चोर के रूप में आ जाएगा। प्रकाशितवाक्य २२रू११–१२ – जो अन्याय करता है, वह अन्याय ही करता रहे। जो अशुद्ध है, वह अशुद्ध ही बना रहे। जो धर्मी है, वह धर्म के कार्य ही करता रहे। जो पवित्र है, वह पवित्र ही बना रहे। देख मैं शीघ्र आने वाला हूं। प्रत्येक मनुष्य को उस के कामों के अनुसार देने को प्रतिफल मेरे पास है। पवित्र शास्त्रों में बहुत स्पष्ट हैं – येशु कलीसियाओं को गवाही देता है, उसका दुबारा आना सच है ...। जो अन्याय करता है, वह अन्याय ही करता रहे। जो अशुद्ध है, वह अशुद्ध ही बना रहे। जो धर्मी है, वह धर्म के कार्य ही करता रहे। जो पवित्र है, वह पवित्र ही बना रहे। परमेश्वर धर्मी और पवित्र है, जो उसके बच्चों के लिए एक इनाम के साथ आ रहा है और हर आदमी को अपने कामों के अनुसार प्रतिफल दिया जाएगा। वे जो उस पर विश्वास करते है, आशिषित किए जाएँगे। येशु एक बढ़ई के बेटे के रूप में इस दुनिया में आया। उसे परेशान और पीड़ित किया गया इस दुनिया में उसके समय के दौरान। हाँ, हम भी येशु मसीह के अनुयायी होने के लिए पीड़ित किए जाएँगे। लेकिन हम किसी भी आशंका के बिना इस दुनिया का सामना करते रहे, क्योंकि हमारा परमेश्वर सब भय से बढ़कर है। येशु ने स्वयं इस दुनिया पर काबू पाया और सफलतापूर्वक चुनौतियों का सामना किया। परमेश्वर हमसे बहुत अधिक प्यार करता है। रोस ऑफ कलिसिया में हम धन्य हैं, वह सबसे अच्छा और शुद्धतम मन्ना हमें प्रदान करता है। वचन कीमती और अनमोल है, इसे हमें मुफ्त में दिया गया। उन लोगों के लिए जो इसे स्वीकार करते हैं और इसके द्वारा जीना चाहते हैं। २ कुरिन्थियों ७रू१ – अतः हे प्रियो, जब कि हमें ये प्रतिज्ञाएं प्राप्त हैं तो आओ, परमेश्वर के भय में पवित्रता को सिद्ध करते हुए, हम देह और आत्मा की सब अशुद्धता से अपने आप को शुद्ध करें। चौथे व्यक्ति और पहले व्यक्ति का नाम परमेश्वर ने बदल दिया। हम उत्पत्ति १७रू५ में भी देखते हैं – तेरा नाम अब से अब्राम न रहेगा, परन्तु तेरा अब्राहाम होगा; क्योंकि मैं तुझे बहुत–सी जातियों का पिता

ठहराऊंगा। अब्राहाम राष्ट्र पिता के रूप में जाना जाता था। हम पवित्र शास्त्र में देखते हैं, परमेश्वर नबियों और प्रचारकों के माध्यम से, सपन में, दर्शन में अलग–अलग लोगों से बात की। लेकिन ऊपर के शास्त्रों में, हम देखते हैं कि परमेश्वर ने अब्राहाम से आमने–सामने बात की। दस बार परमेश्वर ने अब्राहाम से बात की। परमेश्वर ने अब्राहाम से अपने सभी प्रिय लोगों को, अपने घर और अपने देश को छोड़ने के लिए पहली बार बात की उत्पत्ति १२रू१–२ में – तब यहोवा ने अब्राम से कहा, ‘अपने देश, अपने कुटुम्बियों तथा अपने पिता के घर से उस देश को चला जा, जो मैं तुझे दिखाऊंगा। मैं तुझे एक बड़ी जाति बनाऊंगा, और मैं तुझे आशिष दूंगा और तेरा नाम महान् करूंगा; इसलिए तू आशिष का कारण होगा;। अब्राहाम ने जब बात मानी और सब कुछ छोड़ दिया परमेश्वर के आदेश के आज्ञाकारिता के लिए , परमेश्वर ने बड़े पैमाने पर अब्राहाम को आशीष दी, उसने उसे अमीर बनाया और जितनी चीज़े अब्राहाम के पास थी, उसमें और अधिक जोड़ा। इब्रानियों ११रू८–१० – विश्वास ही से अब्राहाम जब बुलाया गया तो आज्ञा मानकर ऐसे स्थान को चला गया जो उसे उत्तराधिकार में मिलने वाला था। वह नहीं जानता था कि मैं कहा जा रहा हूँ, फिर भी चला गया। विश्वास ही से वह प्रतिज्ञा के देश में परदेशी होकर रहा, अर्थात् परदेश में इसहाक और याकूब के साथ जो उसी के समान प्रतिज्ञा के उत्तराधिकारी थे, तम्बुओं में रहा। वह उस स्थिर नींव वाले नगर की प्रतिज्ञा में था जिसका रचने और बनाने वाला परमेश्वर है। यह केवल विश्वास में है, अब्राहाम ने विश्वास किया और बहुत आशिषित हुआ। परमेश्वर ने अब्राहाम को महान उत्तराधिकार दे दिया। यह विश्वास हम सभी को करना चाहिए और हमारी दौड़ जीत में समाप्त होना चाहिए। रोमियों ४रू२१ – और पूर्णतः आश्वस्त होकर कि जो प्रतिज्ञा उसने की थी, वह उसे पूरा करने में भी समर्थ है। अंत में, परमेश्वर ने अब्राहाम के लिए जो भी वादा किया था उन सभी को पूरा किया और अब्राहाम एक विश्वासयोग्य और परमेश्वर का एक बड़ा सेवक बन गया। हम देखते हैं अगला व्यक्ति मलिकिसिदक को, उत्पत्ति १४रू१८–२० में – तब शालेम का राजा मलिकिसिदक, रोटी और दाखमधु ले आया। वह परमप्रधान परमेश्वर का याजक था। तब उसने उसे यह आशीर्वाद दियाः ‘स्वर्ग और पृथ्वी के सृष्टिकर्ता परमप्रधान परमेश्वर की ओर से अब्राम धन्य हो परमप्रधान परमेश्वर भी धन्य है, जिसने तेरे शत्रुओं को तेरे वश में कर दिया।’ फिर अब्राम ने उसे सब वस्तुओं का दसवां अंश दिया। मलिकिसिदक एक महान याजक था। भजन संहिता की पुस्तक में हम उसे महिमा के काम के कर्ता के रूप में देखते हैं। भजन संहिता ११०रू४ – यहोवा ने शपथ खाई है और वह उस से

न बदलेगाः ष्तू मलिकिसिदक की रीति पर युगानुयुग याजक है।ष वह सदा के लिए याजक था। हम इब्रानियों ७रू१–१७ में पढ़ते हैं – यही मलिकिसिदक जो शालेम का राजा, और सर्वोच्च परमेश्वर का याजक था। जब अब्राहाम राजाओं का संहार करके लौट रहा था तो इसी ने उस से भेंट करके उसे आशिष दी। इसी को अब्राहाम ने अपनी सारी लूट का दसवा अंश भी दिया। वह अपने नाम के अर्थ के अनुसार पहिले तो धार्मिकता का राजा और तब शालेम का राजा अर्थात शान्ति का राजा है। इसका न कोई पिता, न माता, और न कोई वंशावली है। इसके दिनों का न कोई आदि है और न जीवन का अन्त, परन्तु परमेश्वर के पुत्र सदृश ठहर कर यह सदा के लिए याजक बना रहता है। अब ध्यान करो यह मनुष्य कैसा महान था जिसे कुलपति अब्राहाम ने अपनी लूट के सर्वोत्तम भाग का दसवा अंश दिया। लेवी की सन्तानों में से जो याजक पद पोते हैं उन्हें आज्ञा मिली है कि लोगों से, अर्थात् अपने भाइयों से, यद्यापि वे अब्राहाम के वंशज हैं, व्यवस्था के अनुसार दसवां अंश लिया करें। परन्तु इसने जो उनकी वंशावली में से भी न था, अब्राहाम से दसवा अंश लिया और उसे आशीष दी जिसे प्रतिज्ञाएं मिली थीं। इसमें संदेह नहीं कि छोटा बड़े से आशीर्वाद पाता है। फिर एक दशा में तो नश्वर मनुष्य दसवां अंश पाते हैं, परन्तु दूसरे में वही पाता है जिसके लिए साक्षी दी जाती है कि वह जीवित है। तो क्या कह सकते हैं कि दसवां अंश लेने वाले लेवी ने भी अब्राहाम के द्वारा दसवां अंश दिया, क्योंकि उस समय वह अपने पिता अब्राहाम की देह में ही था जब मलिकिसिदक ने उस से भेंट की। यदि लेविय याजक–पद के द्वारा सिध्दता प्राप्त होती–क्योंकि इसी आधार पर उस प्रजा को व्यवस्था मिली – तो फिर ऐसे याजक के खड़े होने की क्या आवश्यकता थी जो मलिकिसिदक की रीति के अनुसार तो हो, परन्तु हारून की रीति के अनुसार न कहलाए? जब याजक–पद बदलता है तो आवश्यकता के कारण व्यवस्था में भी परिवर्तन होता है। क्योंकि जिस व्यक्ति के विषय में ये बातें कही गई हैं, वह किसी ऐसे अन्य गोत्र का है, जिसमें से कोई भी वेदी का सेवक नहीं बना। अतः यह प्रकट है कि हमारा प्रभु, यहूदा के गोत्र में से उत्पन्न हुआ था, ऐसा गोत्र जिसके विषय में मूसा ने याजक सम्बन्धी कोई बात नहीं कही। यह बात तब और भी स्पष्ट हो जाती जब मलिकिसिदक के समान कोई दूसरा याजक खड़ा हो जाता, जो शारीरिक व्यवस्था के नियम के अनुसार नहीं, परन्तु अविनाशी जीवन की सामर्थ के अनुसार नियुक्त हुआ होता। क्योंकि उसके विषय में यह साक्षी दी गई है, ष्तू मलिकिसिदक की रीति के अनुसार युगानुयुग याजक है।ष इसलिए हमें भी शरीर के सभी बुरे कामों को छोड़ देना चाहिए। १ थिस्सलुनीकियों ४रू१६ – क्योंकि प्रभु स्वयं

ललकार और प्रधान स्वर्गदूत की पुकार और परमेश्वर की तुरही की आवाज़ के साथ स्वर्ग से उतरेगा, और जो मसीह में मर गए हैं, वे पहिले जी उठेंगे। हाँ, येशु के दूसरे आगमन पर, क्या हम चाहते हैं कि येशु द्वारा उठा लिए जाए? तो, हमें एक महान विश्वास का जीवन जीना है उन लोगों की तरह जिसे हमने संदेश में देखा है, अर्थात..हाबिल, हनोक, नूह, अब्राहाम, मलिकिसिदक। हाँ, आज का समय नूह के समय के समान हैं। इस दुनिया में पाप बढ़ता जा रहा है, लोग अपने विचार और हृदय की बुरी इच्छाओं का पीछा कर रहे हैं। यूहन्ना १६रू३३ – ये बातें मैंने तुमसे कही हैं, कि तुम मुझमें शान्ति पाओ। संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु साहस रखो –मैंने संसार को जीत लिया है।ै परीक्षण और क्लेश इस दुनिया में होगा, परन्तु परमेश्वर हमें साहस बांधने का वादा करता है, यह संसार को उसने जीत लिया है और हमें उसी का आश्वासन देता है। प्रकाशितवाक्य २१रू७ – जो जय प्राप्त करे वह इन बातों का वारिस होगा, और मैं उसका परमेश्वर होऊंगा और वह मेरा पुत्र होगा। आखिर में अपने बच्चों के लिए परमेश्वर का आश्वस्त वादा है कि जब हम इस दुनिया के लालच पर काबू पाते हैं, हम विजेता हो जाएँगे और सभी चीजों के वारिस होंगे जो परमेश्वर हमारे लिए चाहता है, हम उसके बेटे और बेटियाँ बन जाएँगे। क्या महान वादा है हमें अपने परमेश्वर में!!

प्रार्थना करती हूँ यह संदेश सुननेवालों और पढ़नेवालों के लिए महान आशीष लाएगा।

पास्टर सरोजा म.